।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY

JALGAON

Syllabus For

M.A. Part - I

(Ist & IInd Semister)

HINDI

हिंदी विभाग

भाषा अध्ययन प्रशाला एवं अनुसंधान केंद्र

(w.e.f.June 2013)

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

एम. ए. हिंदी भाग - १ - निर्धारित पाठ्यक्रम

(प्रारंभ जून २०१३)

महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :

१) इस पाठ्यक्रम का अध्ययन जून २०१३ से प्रारंभ होगा ।

२) संपूर्ण पाठ्यक्रम का विभाजन दो वर्षो के लिए ४ सत्रों में होगा ।

३) प्रथम वर्ष (भाग १)के अंतर्गत प्रश्नपत्र १ से लेकर ४ तक का और द्वितीय वर्ष (भाग २)के अंतर्गत प्रश्नपत्र ५ से लेकर ८ तक का अध्ययन करना होगा ।

४) संपूर्ण हिंदी विषय लेनेवाले छात्रों के लिए सामान्यस्तर और विशेषस्तर दोनो स्तरों के प्रश्नपत्रो का अध्ययन करना होगा ।

५) प्रश्नपत्र २,३,४ तथा प्रश्नपत्र ६,७,८ विशेष स्तर के होंगे ।

६) इस पाठयक्रम में प्रश्नपत्र ४ तथा प्रश्नपत्र ८ के अंतर्गत विकल्प दिये गये हैं। इनमें से छात्रों को किसी एक ही वैकल्पिक प्रश्नपत्र का चयन करना होगा ।

७) इस पाठयक्रम में ८०+२० पॅटर्न अपनाया गया है । इसलिए इस वर्ष से अर्थात एम.ए. हिंदी (भाग १) तथा अगले वर्ष एम.ए. हिंदी (भाग २) के लिए यही पॅटर्न होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र८० अंकों का होगा। अंतर्गत मूल्यांकन हेतु २० अंकों का प्रावधान है। २० अंको का विभाजन निम्न प्रकार से रहेगा :

०५ अंक : उपस्थिति के लिए।

०५ अंक : सेमिनार/स्वाध्याय/घटक परीक्षा के लिए।

१०अंक : सत्रांत परीक्षा के लिए।

एम. ए. हिंदी भाग १

पाठयक्रम की रूपरेखा

प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र १ : HI - 1110 - सामान्य स्तर -कथा साहित्य

प्रश्नपत्र २ : HI - 1120 - विशेष स्तर- कबीर और जायसी

प्रश्नपत्र ३ : HI - 1130 - विशेष स्तर -भारतीय काव्यशास्त्र के सिध्दांत

प्रश्नपत्र ४ : HI - 1140 - विशेषस्तर - वैकल्पिक :

HI - 1140 - अ) भारतीय साहित्य

HI - 1140 - आ) मीडिया लेखन

द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र ५ : HI - 1210 - कथेतर गद्य साहित्य

प्रश्नपत्र ६ : HI - 1220 - विशेष स्तर - तुलसीदास और सुरदास

प्रश्नपत्र ७ : HI - 1230 - विशेष स्तर- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांत तथा वाद

प्रश्नपत्र ८ : HI - 1240 - विशेषस्तर - वैकल्पिक :

HI - 1240 - अ) भारतीय साहित्य मूल्य

HI - 1240 - आ) द्रक मीडिया लेखन

प्रश्नपत्र १ : HI - 1110 - सामान्य स्तर -कथा साहित्य

(उ)

। उद्देश्य :

१) छात्रों को आधुनिक गद्य विधाओं से परिचित कराना ।

२) आधुनिक गद्य विधाओं में से प्रमुख विधाओं के विकासक्रम की जानकारी देना ।

३) विधा विशेष के ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्त्व समझाना तथा मूल्यांकन की क्षमता बढाना ।

प्रथम सत्र - पाठ्यक्रम

(उपन्यास और कहानी)

पाठ्यपुस्तके :

१) दौड (उपन्यास) - ममता कालिया (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)

२) कथायात्रा (कहानी) - सं. राजेंद्र मिश्र (तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली)

प्रश्नपत्र ५ : HI - 1210 - कथेतर गद्य साहित्य

(नाटक,निबंध,संस्मरण)

द्वितीय सत्र - पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तके :

१) शुतुरमुर्ग (नाटक) - ज्ञानदेव अग्निहोत्री (भारतीय ज्ञानपीठ,18,इन्टीटूशनल एरीया,नई दिल्ली)

२) कल्पलता (निबंध)- हजारीप्रसाद.द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

३) संस्मरण (संस्मरण) माटी की मूरते- रामवृक्ष बेनीपुरी

संदर्भ ग्रंथ

१) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

२) आज का हिंदी उपन्यास - डॉ. इन्द्रनाथ मदान

३) नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर

४) समकालीन हिंदी कहानी - डॉ. विनय

५) आज का हिंदी नाटक : प्रगति और प्रभाव- डॉ.दशरथ ओझा

६) हिंदी नाटक - डॉ. बच्चनसिंह

७) हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार - डॉ. हरिमोहन

८) ललित निबंध - डॉ. संगीता सारस्वत

९) हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार - डॉ. सुरेश अग्रवाल

१०) संस्मरण और संस्मरणकार - डॉ. मनोरमा शर्मा

११) आधुनिक हिंदी निबंध -डॉ.बापूराव देसाई

प्रश्नपत्र २ : HI - 1120 - विशेष स्तर- कबीर और जायसी

उद्देश्य :

१) हिंदी के प्रतिनिधि कवियों की कृतियों के अध्ययन द्वारा मध्ययुगीन काव्य का परिचय कराना ।

२) मध्ययुगीन काव्य-प्रवृत्तियों की जानकारी देना ।

३) मध्ययुगीन काव्य-प्रवृत्तियों की पृष्ठभूमि पर कवि विशेष की काव्यकला का परिचय कराना ।

प्रथम सत्र - पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि :

१. कबीर, २.जायसी,

अध्ययन हेतु रचनाएँ निम्**नलिखित है** -

1. **कबीर ग्रंथावली : श्यामसुंदर दास (प्रकाशन संस्थान ,दयानंद मार्ग,दरियागंज नई दिल्ली।**

दोहे : सुमिरण को अंग,ज्ञान को अंग,विरहको अंग,माया को अंग,करनी बिना कथनी को अंग,उपदेश को अंग।

पद :2,3,7,6,10,11,14,15,16,17,23,24,25,26,40

२) जायसी : पद्मावत - सं. रामचंद्र शुक्ल

प्रकाशन संस्थान,दयानंद मार्ग,दरियागंज नई दिल्ली।

खंड १) मानसरोदक खंड -

२) पद्मावती वियोग खंड -

३) नागमती वियोग खंड -

प्रश्नपत्र ६ : HI - 1220 - विशेष स्तर - तुलसीदास और सुरदास

द्वितीय सत्र - पाठ्यक्रम

पाठ्यक्र म में निर्धारित कवि :

१. तुलसीदास, २.सूरदास

अध्ययन हेतु रचनाएँ,ससंदर्भ व्याख्या हेतु -

१) रामचरितमानस - तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर

१.बालकांड: शिव पार्वती संवाद,रामजन्म ,पुष्पवाटिका निरीक्षण ,सीता राम विवाह

2.उत्तरकांड: भरत मिलाप,रामराज्याभिषेक,श्रीरामजी का प्रजा को उपदेश,गरुड भूषूडी संवाद,ज्ञान भक्ति निरुपण

२) **भ्रमरगीत - सं. रामचंद्र शुक्ल** (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद कमल प्रकाशन , दिल्ली)

पद – २,५,८,१५,२०,३१,४०,५०,६१,७६,१००,११७,

अध्ययनार्थ विषय - संयोग-वियोग शृंगार,भक्ति भावना,प्रकृति चित्रण,काव्य-सौंदर्य, काव्यकला ।

संदर्भ ग्रंथ :

१) पद्मावत में काव्य,संस्कृति और दर्शन - डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

२) मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य - डॉ.शिवसहाय पाठक

३) जायसी ग्रंथावली (भूमिका) - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

४) गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

५) संत साहित्य की आधुनिक अवधारणाएँ - डॉ.सुनील कुलकर्णी

६) गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र

७) तुलसी दर्शन - डॉ.बलदेवप्रसाद मिश्र

८) सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण - डॉ. विश्वनाथ उपाध्याय

९) सूर और उनका साहित्य - डॉ.हरवंशलाल शर्मा

१०)भ्रमरगीत का काव्यवैभव - डॉ.मनमोहन गौतम

११)कबीर और तुकाराम के काव्य में प्रगतिशील चेतना - डॉ.सुनील कुलकर्णी

१२)वर्तमान परिवेश में भक्तिकाव्य की प्रसंगिकता - डॉ.बापूराव देसाई

१३)मध्ययुगीन काव्य के आधारस्तम्भ-डॉ.तेजपाल चौधरी

प्रश्नपत्र — ३ विशेष स्तर

प्रश्नपत्र ३ : HI - 1130 - विशेष स्तर -भारतीय काव्यशास्त्र के सिध्दांत

उद्देश्य :

१)भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय देना ।

२)भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रों के सिद्धांतों के विकासक्रम का परिचय तथा सिद्धांतों का ज्ञान कराना ।

प्रथम सत्र - पाठ्यक्रम

पाठ्यक्र म :

१) **रससिध्द्रांत** - रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति विषयक भरतमुनि का सूत्र और भट्ट लोलट,शंकुक,भट्टनायक और अभिनव गुप्त की तत्संबंधी व्याख्याओं का विवेचन।

साधारणीकरण - भट्टनायक, अभिनव गुप्त, पंडितराज जगन्नाथ, विश्वनाथ, के मतों के संदर्भ में विवेचन । वर्तमान संदर्भ में रससिद्धांत ।

२) अलंकार सिद्धांत - अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, स्वरूप । काव्य में अलंकार का स्थान।

३) रीति सिद्धांत - रीति शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा । रीति के विविध पर्याय,रीति भेदों के आधार,रीति भेद,रीति और गुण,रीति और शैली ।

४) ध्वनि सिद्धांत - ध्वनि शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, । ध्वनि और स्फोट सिद्धांत, ध्वनि और शब्दशक्ति , ध्वनि के भेद - अभिधामूला, लक्षणामूला, संलक्ष्यक्रम व्यंग्य, असंलक्ष्यक्रम व्यंग्य, तात्पर्यावृत्ति ।

५) वक्रोक्ति सिद्धांत - वक्रोक्ति की परिभाषा, कुंतकपूर्व वक्रोक्ति, वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति का महत्व ।

६) औचित्य सिद्धांत - औचित्य का स्वरूप, काव्य में औचित्य का महत्व ।

प्रश्नपत्र ७ : HI - 1230 - विशेष स्तर- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांत तथा वाद

द्वितीय सत्र - पाठ्यक्रम

१) **अनुकरण सिद्धांत** - अनुकरण की व्याख्या, स्वरूप, अनुकरण के संबंध में प्लेटो और अरस्तू के विचारों का तुलनात्मक परिचय ।

२) **विरेचन सिद्धांत** – प्लेटो, अरस्तू के विचारों का विवेचन ।

३) **उदात्त सिद्धांत** - लोंजाइनस द्वारा उदात्त की व्याख्या,स्वरूप,उदात्त के अंतरंग-बहिरंग तत्व, उदात्त के विरोधी तत्व, काव्य में उदात्त का महत्व ।

४) **क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद** - अभिव्यंजनावाद का स्वरूप, वक्रोक्ति और अभिव्यंजनावाद ।

५) **मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत** – काव्यमूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या,मनोवेगों के दो प्रकार, मनोवेगों में संतुलन, संप्रेषण का स्वरूप एवं महत्व, रिचर्डस् का योगदान ।

६) **निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत**–इलियट की निर्वैयक्तिकता की धारणा, परिवर्तित धारणा,व्यक्तिगत भावों का सामान्यीकरण । वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता, सिद्धांत का स्वरूप, विभाव विधान या भावदर्शन प्रणाली, भारतीय काव्यशास्त्र के साधारणीकरण से तुलना ।

७) निम्नलिखित वादों का परिचयात्मक अध्ययन - कलावाद,यथार्थवाद,प्रतीकवाद, बिम्बवाद,अस्तित्ववाद, संरचनावाद,उत्तर संरचनावाद।

संदर्भ ग्रंथ

१. काव्यशास्त्र - डॉ.भगीरथ मिश्र

२. रस सिद्धांत : स्वरूप, विश्लेषण - डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित

३. भारतीय साहित्यशास्त्र-खंड १ और २ - आचार्य बलदेव उपाध्याय

४. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत - डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी

५. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. कृष्णदेव शर्मा

६. रस मीमांसा - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

७) औचित्य विमर्श - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

८) समीक्षाशास्त्र के भारतीय एवं पाश्चात्य मानदण्ड - डॉ. रामसागर त्रिपाठी

९) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. सुरेश अग्रवाल

१०) काव्य समीक्षा के भारतीय मानदण्ड - डॉ.वासंती सालवेकर,डॉ.उर्मिला पाटील

११) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. कृष्णदेव शर्मा

१२) अरस्तू का काव्यशास्त्र - डॉ.नगेन्द्र

१३) पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेंद्रनाथ शर्मा

१४) भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र - सत्यदेव चौधरी / शांतिस्वरूप गुप्त

१५) रिचर्डस् के आलोचना सिद्धांत - डॉ. शंभूनाथ झा

१६) उदात्त के विषय में - डॉ. निर्मला जैन

१७) पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद - डॉ. भगीरथ मिश्र

१८) पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन / कुसुम बांठिया

१९) टी.एस.इलियट के आलोचना सिद्धांत - डॉ.शिवमूर्ति पाण्डेय

२०) आलोचक और आलोचना - डॉ.बच्चनसिंह

२१) हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास - डॉ. भागवतस्वरूप मिश्र

२२) आलोचना के बदलते मानदण्ड और हिंदी साहित्य - डॉ. शिवचरण सिंह

२३) हिंदी व्यंग्य विधा : शास्त्र और इतिहास - डॉ. बापूराव देसाई

२४) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा - डॉ. तेजपाल चौधरी

प्रश्नपत्र ४

प्रश्नपत्र ४ : HI - 1140 - विशेषस्तर - वैकल्पिक

प्रश्नपत्र ४ : HI - 1140 - विशेषस्तर - वैकल्पिक अ) भारतीय साहित्य

पाठ्यविषय

1.भारतीय साहित्य का स्वरुप।

२.भारतीय साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता।

3 .भारतीय साहित्य अध्ययन की समस्याएँ।

4.भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब।

प्रथम सत्र - पाठ्यक्रम

पाठयपुस्तके:

1.वर्षा की सुबह:-सिताकांत महापात्र(उडिया कविता)

2. मंगलसूत्र तकषी शिवशंकर पिल्लै (मल्यालम कहानी संकलन)

प्रश्नपत्र ८ : HI - 1240 - विशेषस्तर - वैकल्पिक : अ) भारतीय साहित्य

द्वितीय सत्र - पाठ्यक्रम

1.भारतीय साहित्य में मूल्यों की अभिव्यक्ति

2..भारतीयता का समाजशास्त्र

3.भारतीय साहित्य में वसुधैव कुटुंबकम्

4.भारतीय साहित्य में सामाजिक समरसता

पाठयपुस्तके:

1.जंगल के दावेदार :-महाश्वेता देवी (बांग्ला उपन्यास)

2. घासीराम कोतवाल :-विजय तेडुलकर (मराठी नाटक)

प्रश्नपत्र ४ : HI - 1140 - विशेषस्तर - वैकल्पिक आ) मीडिया लेखन

प्रथम सत्र - पाठ्यक्रम

पाठयक्रम:

अ)जनसंचार माध्यम:

1. **जनसंचार माध्यम परिभाषा एवं स्वरुप**
2. **जनसंचार माध्यम का महत्व**
3. **जनसंचार माध्यम का विकास**
4. **जनसंचार माध्यमो का परिचय**

आ)मुद्रित माध्यम:

1.समाचार पत्र की परिभाषा एवं स्वरुप

2. समाचार पत्र का महत्व एवं आवश्यकता

3. समाचार पत्र हेतु लेखन - समाचार लेखन, संपादकीय लेखन,रिपोर्ताज लेखन,विज्ञापन लेखन एवं साक्षात्कार ।

4. मुद्रित माध्यमो में पत्रिकाओ की भूमिका

इ)श्रव्य माध्यम:

1.रेडियो लेखन के सिध्दांत

2.रेडियो के लिए समाचार लेखन

3. रेडियो वार्ता लेखन

4. रेडियो नाटक लेखन

5. रेडियो रुपांतर लेखन

प्रश्नपत्र ८ : HI - 1240 - विशेषस्तर - वैकल्पिक : आ) द्रृक- मीडिया लेखन

द्वितीय सत्र - पाठ्यक्रम

ई)द्रृक- श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन):

1. **दूरदर्शन लेखन के सिध्दांत**
2. **द्रृक- श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन) का स्वरुप एवं महत्व**
3. **दूरदर्शन के लिए समाचार लेखन**
4. **धारावाहिक (सिरियल लेखन)**
5. **विज्ञापन लेखन**

उ)द्रृक- श्रव्य माध्यम (सिनेमा):

1. **सिनेमा लेखन के सिध्दांत**
2. **फीचर फिल्म लेखन**
3. **वृत्तचित्र लेखन**
4. **संवाद लेखन**
5. **पटकथा लेखन**

ऊ) इंटरनेट एवं ब्लॉग लेखन

1. **इंटरनेट का उदभव एवं विकास**
2. **इंटनेट की परिभाषा एवं स्वरूप**
3. **इंटरनेट का व्यवहार में उपयोग एवं महत्व**
4. **ब्लॉग लेखन का आरंभ एवं विकास**
5. **ब्लॉग लेखन का महत्व**

संदर्भ ग्रंथ :

१. मीडिया लेखन सिध्दांत और व्यवहार -डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र

२. मीडिया लेखन सिध्दांत -डॉ.एन.सी.पंत

३. मीडिया और हिंदी-डॉ.मधू खराटे, डॉ.हनुमंतराव पाटील

४. मीडिया लेखन -सुमिता मोहन

५.संचार माध्यम लेखन-गौरीशंकर रैणा

६. मीडिया और समाज-संजय गुलाठी

७. मीडिया भाषा और संस्कृति-कमलेश्वर

८. मीडिया विमर्श-रामशरण जोशी

९.इण्टरव्यू विधा और विविधा - डॉ. बापूराव देसाई

हिंदी पाठयक्रम

समकक्ष विषयों की सूची

प्रथम सत्र

पुराना पाठयक्रम		नया पाठयक्रम	
अ.क्र.	**विषय**	**अ.क्र.**	**विषय**
1.	प्रश्नपत्र १ : सामान्यस्तर - आधुनिक गद्य	**1.**	प्रश्नपत्र १ : HI - 1110 - सामान्य स्तर -कथा साहित्य
2.	प्रश्नपत्र २ : विशेषस्तर - मध्ययुगीन काव्य (प्रथम सत्र)	**2.**	प्रश्नपत्र २ : HI - 1120 - विशेष स्तर- कबीर और जायसी
3.	प्रश्नपत्र ३ : विशेषस्तर - भारतीय साहित्यशास्त्र (प्रथम सत्र)	**3.**	HI - 1130 - विशेष स्तर -भारतीय काव्यशास्त्र के सिध्दांत
4.	प्रश्नपत्र ४ : विशेषस्तर - वैकल्पिक : अ) भारतीय साहित्य आ) मीडिया लेखन	**4.**	प्रश्नपत्र ४ : HI - 1140 - विशेषस्तर - वैकल्पिक : HI - 1140 - अ) भारतीय साहित्य HI - 1140 - आ) मीडिया लेखन

द्वितीय सत्र

5.	प्रश्नपत्र १ : सामान्यस्तर - आधुनिक गद्य	**5.**	प्रश्नपत्र ५ : HI - 1210 - कथेतर गद्य साहित्य
6.	प्रश्नपत्र २ : विशेषस्तर - मध्ययुगीन काव्य (द्वितीय सत्र)	**6.**	प्रश्नपत्र ६ : HI - 1220 - विशेष स्तर - तुलसीदास और सुरदास
7.	प्रश्नपत्र ३ : विशेषस्तर - पाश्चात्य साहित्यशास्त्र (द्वितीय सत्र)	**7.**	प्रश्नपत्र ७ : HI - 1230 - विशेष स्तर- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांत तथा वाद
8.	प्रश्नपत्र ४ : विशेषस्तर - वैकल्पिक : अ) भारतीय साहित्य आ) मीडिया लेखन	**8.**	प्रश्नपत्र ८ : HI - 1240 - विशेषस्तर - वैकल्पिक : HI - 1240 - अ) भारतीय साहित्य मूल्य HI - 1240 - आ)द्रृक मीडिया लेखन

।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY

JALGAON

Syllabus For

M.A. Part - II

(III[rd] & IV[th] Semister)

HINDI

हिंदी विभाग

भाषा अध्ययन प्रशाला एवं अनुसंधान केंद्र

(w.e.f.June 2013)

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

एम. ए. हिंदी भाग २

पाठयक्रम की रूपरेखा

तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र ९ : HI - 2390 - सामान्य स्तर - महाकाव्य

प्रश्नपत्र १० : HI - 23100 - विशेष स्तर- भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा

प्रश्नपत्र ११ : HI - 23110 - विशेष स्तर - आदिकाल,भक्तिकाल तथा रीतिकाल

प्रश्नपत्र १२ : HI - 23120 - विशेषस्तर - वैकल्पिक :

HI - 23120 - क) प्रयोजनमुलक हिंदी

HI - 23120 - ख) अनुवाद विज्ञान

चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र १३ : HI - 24130 - हिंदी काव्य

प्रश्नपत्र १४ : HI - 24140 - विशेष स्तर - हिंदी की बोलियाँ

प्रश्नपत्र १५ : HI - 24150 - विशेष स्तर- आधुनिक काल

प्रश्नपत्र १६ : HI - 24160 - विशेषस्तर - वैकल्पिक :

HI - 24160 - ग) जनसंचार

HI - 24160 - घ) अनुवाद तथा भाषाविज्ञान

एम.ए.द्वितीय वर्ष - हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पध्दति

प्रश्नपत्र ९ : HI - 2390 - सामान्य स्तर - महाकाव्य

उद्देश्य

1. आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय कराना।

2. आधुनिक काल के महाकाव्य ,खंडकाव्य,काव्य नाटक,नई कविता,गजल आदि विधाओ की प्रवृत्तियॉ एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना तथा इन काव्य प्रकारों के विकासक्रम का

परिचय देना।

3 विधाओ के विकास के परिप्रेक्ष्य में उनका अध्ययन तथा समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।

-: तृतीय सत्र पाठ्यक्रम :-

(1)कामायनी : जयशंकर प्रसाद

प्रकाशक: भारती भांडार,इलाहाबाद

केवल चिंता, श्रद्धा तथा लज्जा सर्गों का अध्ययन

(2)साकेत : मैथीलीशरण गुप्त

प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

केवल प्रथम,चतुर्थ,अष्टम एवं नवम् सर्ग

प्रश्नपत्र १३ : HI - 24130 - हिंदी काव्य

-: चतुर्थ सत्र पाठ्यक्रम :-

(3)संशय की एक रात : नरेश मेहता

प्रकाशक: लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद

(4)कवितायन : संपादक डॉ भोलानाथ तिवारी

प्रकाशक: वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली

केवल निम्नलिखित कविताएँ

1. मैथिलीशरण गुप्त -दोनो और प्रेम पलता है ,जयद्रथवध

2. निराला - वह तोडती पत्थर,विधवा

3. दिनकर-गीतकार मर गया ,इतिहास का नक्शा

4.हरिवंशराय बच्चन-जीवन की आपाधापी में ,बुध्द और नाचघर

5.नागार्जुन-प्रेत का बयान ,कालिदास से

6.भवानीप्रसाद मिश्र-गीत फरोश,दैनिक

7.दुष्यंत कुमार-गजल पृ -100 गांधीजी के जम्नदिन पर

प्रश्नपत्र १० : HI - 23100 - विशेष स्तर- भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा

-: तृतीय सत्र पाठ्यक्रम :-

उद्देश्य :-

1. भाषा विज्ञान की नव्यतम शाखा के अध्ययन साथ-साथ हिंदी भाषा के गठन ओर व्यवहार को समझना।
2. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना।
3. भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकास क्रम की जानकारी देना।
4. हिंदी के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना।
5. हिंदी के शब्द-भेदों के विकास क्रम का विवरण देना।
6. हिंदी के विविध रूपों की जानकारी देना।
7. साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना।
8. विकास के संदर्भ में देवनागरी लिपि की विशेष जानकारी देना।

पाठ्यक्रम

अध्ययनार्थ विषय:

1. भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरुप,भाषा विज्ञान की उपशाखाएँ-कोश विज्ञान,समाज भाषा विज्ञान ,लिपि विज्ञान ,मनोभाषा विज्ञान,भाषा भूगोल का संक्षिप्त परिचय।

2. स्वन एवं स्वनिम विज्ञान -स्वन का स्वरुप,स्वन का उत्पादन,संवहन और ग्रहन , वाग्वयव और उच्चारण प्रक्रिया, स्वनो का वर्गीकरण,स्वर और व्यंजन,स्वरो का वर्गीकरण ,व्यंजनो का वर्गीकरण,स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, स्वनिम का स्वरुप,स्वनिम का निर्धारण,स्वनिम के भेद ,ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन ।

3. रूप एवं रुपिम विज्ञान :- रूप (पद) की परिभाषा ,सबंध तत्व और उसके भेद,धातु,प्रतिपादिक और पद, रूपिम का स्वरूप, रूपिम के भेद ।

4 वाक्य विज्ञान :- वाक्य का स्वरूप, अभिहितान्वयवाद(पदवाद)

अन्विताभिधानवाद (वाक्यवाद) , वाक्य के भेद,वाक्य विश्लेषण , निकटस्थ अवयव विश्लेषण।

5 अर्थ विज्ञान - अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध।

अर्थ बोध के बाधक तत्व,अर्थ प्रतिति ,अर्थ परिवर्तन के कारण ,अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ,।

प्रश्नपत्र १४ : HI - 24140 - विशेष स्तर - हिंदी की बोलियाँ

-: चतुर्थ सत्र पाठ्यक्रम :-

पाठ्यक्रम:-

1.हिंदी की बोलियॉ- वर्गीकरण तथा सामान्य परिचय,खडी बोली ,ब्रज,अवधी,दक्खिनी हिंदी का ध्वन्यात्मक और पदात्मक परिचय।

2.हिंदी शब्द निर्माण- उपसर्ग,प्रत्यय,समास।

3.हिंदी भाषा प्रयोग के विविध रुप-बोली,मानक भाषा,सम्पर्क भाषा,राजभाषा और राष्ट्रभाषा और अंतरराष्ट्रीय भाषा।

4.देवनागरी लिपि -विशेषताएँ,देवनागरी लिपि का मानक रुप,संगणक की दृष्टि से देवनागरी लिपि की उपादेयता ,गुण और दोष।

5.खान्देश की बोलियाँ- अहिराणी,भीली,गुजरी,लेवापाटीदार,मारवाडी,निमाडी,डांगी,आदि बोलियों का सामान्य परिचय।

संदर्भ ग्रंथ

1. भाषा विज्ञान - डॉ.भोलानाथ तिवारी

2. भाषा विज्ञान - डॉ. राजमल बोरा

3. भाषा विज्ञान की भूमिका-सैध्दांतिक विवेचन - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा

4. भाषा विज्ञान के सिध्दांत - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

5. भाषा विज्ञान-सैध्दांतिक विवेचन - रवींद्र श्रीवास्तव

6. भाषा विज्ञान के सिध्दांत और हिंदी भाषा - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

7. भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव व्दिवेदी

8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. केशवदेव रूपाली

9. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. विश्वदेव त्रिगुणायत

10. भाषा विज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा

23. सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना

12. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. कृपाशंकर सिंह

13. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिध्दांत - डॉ. रामकिशोर शर्मा

14. भाषा और भाषा विज्ञान - डॉ. तेजपाल चौधरी

15. भाषा-ब्लूमफील्ड (अनुवादक- डॉ. विश्वनाथ प्रसाद)

16. हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी

17. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास - डॉ. उदयनारायण तिवारी

18. हिंदी का उद्भव, विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी

19. हिंदी की ग्रामीण बोलियाँ - डॉ. हरदेव बाहरी

20. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप - डॉ. अंबाप्रसाद सुमन

21. हिंदी भाषा - कैलाशचंद्र भाटिया

22. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी

23. भारतीय लिपियों की कहानी - गुणाकर मुले

24. नागरी लिपि रूप और सुधार - मोहन ब्रिज

25. नागरी लिपि का उद्भव और विकास - डॉ. ओमप्रकाश भाटिया

26. नागरी की लिपि संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी

27. भारत की भाषाएँ - डॉ. राजमल बोरा

28. हिंदी भाषा का विकासात्मक इतिहास - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

29. हिंदी भाषा का इतिहास और स्वरूप - डॉ. राममूर्ति शर्मा

30. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. केशवदत्त रूपाली

31. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा की भूमिका - त्रिलोचन पांडेय

32. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास - डॉ. देवेंद्र प्रताप सिंह

33. भाषा विज्ञान और हिंदी - डॉ. रामगोपाल शर्मा दिनेश

34. भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा - डॉ. देवेंद्र कुमार शास्त्री

35. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. राजमणि शर्मा

36. भाषा विज्ञान प्रवेश और हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी

37. अभिनव भाषा विज्ञान - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

38. आधुनिक भाषा विज्ञान - कृपाशंकर सिंह/चतुर्भुज सहाय

प्रश्नपत्र ११ : HI - 23110 - विशेष स्तर - आदिकाल,भक्तिकाल तथा रीतिकाल

-: तृतीय सत्र पाठ्यक्रम :-

उद्देश्य :-

i) युगीन परिस्थितियों के संदर्भ में साहित्य के इतिहास के काल विभाजन और नामकरण की जानकारी देना।

ii) आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों की जानकारी तथा

प्रमुख प्रतिनिधि कवियों एवं गद्यकारों की रचनाओं का साहित्यिक परिचय देना।

पाठ्यक्रम :

अ) आदिकाल :

1) हिंदी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण के आधार, भाषा साहित्य, प्रथम

साहित्यकार।

2) आदिकाल के विविध नाम - चारणकाल, सिध्द सामंत काल, वीरगाथा काल और

नामकरण के आधार।

3) आदिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और साहित्यिक परिस्थितियाँ और उनका

साहित्य पर प्रभाव।

4) रासो साहित्य परंपरा - रासो शब्द के अर्थ, रासो के प्रकार, पृथ्वीराज रासो की कथ्यगत

और शैलीगत विशेषताएँ।

5) अपभ्रंश साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और उनका हिंदी साहित्य पर प्रभाव।

अ) सिध्द साहित्य का परिचय और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

ब) नाथपंथी साहित्य की विषय और शैलीगत प्रवृत्तियाँ।

6) गोरखनाथ, विद्यापति और अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय।

आ)भक्तिकाल :

7) भक्ति आंदोलन का सामान्य परिचय और विविध संप्रदाय

8) भक्तिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, साहित्यिक परिस्थितियाँ और उनका साहित्य पर प्रभाव।

9) निर्गुण भक्तिसाहित्य की प्रवृत्तियाँ, निर्गुण भक्तिमार्ग के दो भेद - प्रेममार्ग एवं ज्ञानमार्ग - दोनों की परंपरा एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

10) ज्ञानमार्ग के प्रतिनिधि कवि कबीर का साहित्यिक परिचय।

11) प्रेममार्ग के प्रतिनिधि कवि जायसी का साहित्यिक परिचय।

12) सगुण भक्ति साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सगुण भक्तिमार्ग के दो भेद - रामभक्ति एवं कृष्णभक्ति, दोनों की परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

13) रामभक्ति साहित्य के प्रतिनिधि कवि तुलसीदास का साहित्यिक परिचय।

14) कृष्णभक्ति साहित्य के प्रतिनिधि कवि - रसखान, सूर और मीरा का साहित्यिक परिचय।

15) नीति कवि रहीम का साहित्यिक परिचय।

इ)रीतिकाल :

16)प्रमुख रीतिकालीन कवियों का स्थूल परिचय-

केशवदास,बिहारी,देव,घनानंद,भूषण।

प्रश्नपत्र १५ : HI - 24150 - विशेष स्तर- आधुनिक काल

-: चतुर्थ सत्र पाठ्यक्रम :-

ई) आधुनिक काल

पाठ्यक्रम :

गद्य-

1) उपन्यास विधा का विकास - प्रेमचन्दपूर्व युग, प्रेमचन्द युग, प्रेमचन्दोत्तर युग।
2) कहानी विधा का विकास - स्वातंत्र्यपूर्व, स्वातंत्र्योत्तर युग।
3) नाटक विधा का विकास - प्रसाद पूर्व युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग।
4) एकांकी विधा का विकास - स्वतंत्रतापूर्व, स्वातंत्र्योत्तर युग।
5) निबंध विधा का विकास - भारतेन्दुयुग, द्विवेदीयुग, शुक्लयुग, शुक्लोत्तर युग।
6) संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वर्णन, रिपोर्ताज का विकासात्मक अध्ययन।
7) आलोचना का विकास - भारतेन्दुयुगीन, द्विवेदीयुगीन, द्विवेदीयुगोत्तर।

पद्य-

1) भारतेन्दुयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
2) द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
3) राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा एवं मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह दिनकर, माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा `नवीन` और सुभद्राकुमारी चौहान का योगदान।
4) छायावाद की प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, छायावाद की बृहदत्रयी और लघुत्रयी
5) प्रगतिवाद : प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख विशेषताएँ।
6) प्रयोगवाद : प्रेरक कारण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रयोगवाद और नई कविता।
7) साठोत्तरी हिंदी नवगीत की प्रमुख विशेषताएँ।
8) साठोत्तरी हिंदी गजल की प्रमुख विशेषताएँ।
9) विमर्शो का विमर्शमूलक अध्ययन स्त्री विमर्श,दलित विमर्श,आदिवासी विमर्श और अल्पसंख्यांक विमर्श का संक्षिप्त विवेंचन।

संदर्भ ग्रंथ -

1) हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

2) हिंदी साहित्य की भूमिका : उद्‌भव, विकास - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

3) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

4) हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल

5) हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - बाबू गुलाबराय

6) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा

7) हिंदी रीति साहित्य - डॉ. भगीरथ मिश्र

8) हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेंद्र

9) हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारीप्रसाद द्विवेदी

10) हिंदी गद्य का उद्‌भव और विकास - डॉ. उमेश शास्त्री

23) हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी

12) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य - रामरतन भटनागर

13) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक - डॉ. रीता कुमार

14) प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - डॉ. विभुराम मिश्रा

15) हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

16) आधुनिक हिंदी साहित्य का विकास - डॉ. श्रीकृष्णलाल

17) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

18) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. देवीशरण रस्तोगी

19) हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास - डॉ. सभापति मिश्रा,

20) हिंदी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - डॉ. कृष्णलाल हंस

21) आधुनिक साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चनसिंह

22)स्वातंत्र्योत्त हिंदी साहित्य का इतिहास - सं.डॉ.बापूराव देसाई

23)दलित साहित्य विधा:शास्त्र और इतिहास-.डॉ.बापूराव देसाई

प्रश्नपत्र १२ : HI - 23120 - विशेषस्तर - वैकल्पिक : क) प्रयोजनमुलक हिंदी

-: तृतीय सत्र पाठ्यक्रम :-

उद्देश्य :-

i) हिंदी एवं देवनागरी लिपि के बारे में जानना।

ii) पत्राचार के विविध रुपों से परिचय कराना।

iii) जनसंचार माध्यमों से अवगत होना।

iv) अनुप्रयोगात्मक ज्ञान प्राप्त करना।

पाठ्यक्रम :

1) प्रयोजनमूलक हिंदी सिध्दांत और प्राविधि-प्रयोजनमूलक हिंदी की आवश्यकता, प्रयोजनमूलक हिंदी बनाम व्यावहारिक हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी स्वरुप एवं व्याख्या तथा प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएँ।
2) प्रयोजनमूलक हिंदी और विज्ञापन।
3) कार्यालयीन हिंदी के प्रमुख प्रकार्य - प्रारुपण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण।
4) हिंदी पत्रकारिता -रेडीयो ,दूरदर्शन,इंटरनेट,वेब पत्रकारिता और ब्लॉग।
5) हिंदी कम्प्यूटींग-संगणक का सामान्य परिचय, रुपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र - वेब पब्लिशिंग का परिचय।
6) हिंदी के विभिन्न रूप-साहित्यिक भाषा,संचार भाषा,माध्यम भाषा।

प्रश्नपत्र १६ : HI - 24160 - विशेषस्तर - वैकल्पिक :- ग) जनसंचार

-: चतुर्थ सत्र पाठ्यक्रम :-

1) पत्राचार - व्यापारिक पूछताछ पत्र, संदर्भ या परिचय पत्र, शिकायती पत्र, साख पत्र, आवेदन

पत्र - छुट्टी के लिए आवेदन, नौकरी के लिए आवेदन, वेतनवृध्दि के लिए आवेदन,

सरकारी पत्र - कार्यालय आदेश, अर्ध्द सरकारी पत्र, संकल्प, प्रेस विज्ञप्ति।

2) जनसंचार माध्यम - मुद्रित माध्यम-समाचार लेखन, संपादकिय लेखन,रिपोर्ताज लेखन फिचर लेखन ,साक्षात्कार।

3) अंग्रेजी अथवा मराठी गद्यखंड का हिंदी में अनुवाद इ (गद्यखंड लगभग 150 शब्दो में अपेक्षित)

4)राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य-1.प्रारूपण,2.पत्रलेखन,3.संक्षेपण,4.पल्लवन,5.टिप्पण

संदर्भ ग्रंथ -

1) पारिभाषिक शब्द संग्रह - केंद्रीय हिंदी निदेशालय - दिल्ली

2) देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकी करण - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली

3) मानक हिंदी का स्वरुप - भोलानाथ तिवारी , प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 19

4) प्रशासन में राजभाषा हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया , तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

5) हिंदी विविध व्यवहारो की भाषा - सुवास कुमार , वाणी प्रकाशन, दिल्ली

6) मीडिया लेखन - रमेशचंद्र त्रिपाठी, पवन अग्रवाल, भारत प्रकाशन, दिल्ली

7) प्रयोजनमूलक हिंदी सिध्दांत और प्रयोग - डॉ. दंगल झाल्टे , वाणी प्रकाशन, दिल्ली

8) प्रयोजनमूलक हिंदी - कमल बोस , क्लासिक पब्लिकेशन, दिल्ली

9) प्रयोजनमूलक हिंदी (भाग 1 से 3) - डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपुर

10)कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

23) प्रयोजन मूलक हिंदी व्याकरण - प्राचार्य डॉ.बापूराव देसाई

प्रश्नपत्र १२ : HI - 23120 (ख)अनुवाद विज्ञान

-: तृतीय सत्र पाठ्यक्रम :-

उद्देश्य :- विद्यार्थियों को निम्नलिखित विषयों की जानकारी देना -

i) अनुवाद - परिभाषा, स्वरुप, महत्व और व्याप्ति।

ii) अनुवाद के विविध रुप और अनुवाद की प्रक्रिया।

iii) अनुवाद का सामाजिक और सांस्कृतिक पक्ष।

iv) अनुवाद करते समय उभरनेवाली विविध समस्याएँ और उनका समाधान।

v) अनुवाद कार्य का क्रमिक विकास एवं अनुवाद का भाषा वैज्ञानिक पक्ष।

vi) अनुवाद की क्षमता का विकास।

अध्ययनार्थ विषय :

1) अनुवाद की परिभाषाएँ तथा स्वरुप।

2) अनुवाद की आवश्यकता एवं उद्देश्य।

3) अनुवाद कला या विज्ञान।

4) अनुवाद का लिखित एवं मौखिक स्वरुप तथा वर्तमान काल में उसकी उपयोगिता।

5) अनुवाद का सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष।

6) अनुवाद कार्य में सहायक साधनों के उपयोग का महत्व - द्विभाषिक कोश, त्रिभाषिक कोश, वर्णनात्मक कोश, सूचियाँ, विषय विशेष के ग्रंथ, सयंत्र।

7) अनुवाद के प्रकार - साहित्यिक विधा के आधार पर, प्रक्रिया आधार पर तथा गद्य पद्य के आधार पर।

प्रश्नपत्र १६ : HI - 24160 घ) अनुवाद तथा भाषाविज्ञान

-: चतुर्थ सत्र पाठ्यक्रम :-

1) रचनात्मक साहित्य के अनुवाद का स्वरुप, आवश्यकता, समस्याएँ एवं सीमाएँ।

2) वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद का स्वरुप, आवश्यकता, विशेषताएँ एवं समस्याएँ।

3)अनुवाद और भाषा विज्ञान -

अ) भाषा विज्ञान के रुप और अनुवाद।

आ) अनुवाद और ध्वनि विज्ञान।

इ) अनुवाद और अनुलेखन।

ई) अनुवाद और अर्थ विज्ञान।

उ) अनुवाद और रुप विज्ञान।

ऊ) अनुवाद और शब्द विज्ञान।

4)अनुवाद की समस्याएँ - मुहावरों, कहावतों के अनुवाद, अलंकारों के अनुवाद, काव्यानुवाद, नाटय का अनुवाद, वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद, सांस्कृतिक समस्या, शीर्षक की समस्या।

5) अनुवाद के मूल्यांकन का प्रश्न - आवश्यकता तथा निकष।

6) अनुवादक की योग्यता, कर्तव्य एवं आचार संहिता, सफल अनुवादक की कसौटियाँ।

7) अंग्रेजी या मराठी गद्यखंड का हिंदी में अनुवाद (गद्यखंड वैचारिक निबंध से उद्धृत होगा एवं लगभग 150 शब्दों का होगा)

संदर्भ ग्रंथ -

1) अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

2) अनुवाद कला : कुछ विचार - आनंद प्रकाश खेमानी

3) अनुवाद कला - चारुदेव शास्त्री

4) अनुवाद: सिध्दांत और व्यवहार - एस. के. शर्मा

5) अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ - डॉ. भोलानाथ तिवारी

6) विशेषीकृत भाषा और अनुवाद - गोपाल शर्मा

7) काव्यानुवाद की समस्याएँ - महेंद्र चतुर्वेदी, डॉ. ओमप्रकाश गागा

8) अनुवादकता और समस्याएँ - वैज्ञानिक अनुसंधान प्रकाशन और सांस्कृतिक ग्रंथालय

9) अनुवाद निरुपण - डॉ. भारती गोरे

10) स्वर्ण जल की सिसकियाँ-विनायक वाघमारे -अनु.डॉ.बापूराव देसाई

हिंदी पाठयक्रम

समकक्ष विषयों की सूची

तृतीय सत्र

पुराना पाठयक्रम		नया पाठयक्रम	
अ.क्र.	**विषय**	**अ.क्र.**	**विषय**
9.	प्रश्नपत्र HIN - 231 – सामान्य स्तर आधुनिक काव्य	**9.**	प्रश्नपत्र ९ : HI - 2390 - सामान्य स्तर - महाकाव्य
10.	प्रश्नपत्र HIN - 232 – विशेष स्तर- भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	**10.**	प्रश्नपत्र १० : HI - 23100 - विशेष स्तर- भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा
11.	प्रश्नपत्र HIN - 233 – विशेष स्तर -हिंदी साहित्य का इतिहास	**11.**	प्रश्नपत्र ११ : HI - 23110 - विशेष स्तर - आदिकाल,भक्तिकाल तथा रीतिकाल
12.	प्रश्नपत्र ४ : विशेषस्तर - वैकल्पिक : अ) भारतीय साहित्य आ) मीडिया लेखन	**12.**	प्रश्नपत्र १२ : HI - 23120 - विशेषस्तर - वैकल्पिक : HI - 23120 - क) प्रयोजनमुलक हिंदी HI - 23120 - ख) अनुवाद विज्ञान

चतुर्थ सत्र

13.	प्रश्नपत्र १ : सामान्यस्तर - आधुनिक काव्य	**13.**	प्रश्नपत्र १३ : HI - 24130 - हिंदी काव्य
14.	प्रश्नपत्र २ : विशेषस्तर - भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा (द्वितीय सत्र)	**14.**	प्रश्नपत्र १४ : HI - 24140 - विशेष स्तर - हिंदी की बोलियाँ
15.	प्रश्नपत्र ३ : विशेषस्तर – हिंदी साहित्य का इतिहास(द्वितीय सत्र)	**15.**	प्रश्नपत्र १५ : HI - 24150 - विशेष स्तर- आधुनिक काल
16.	प्रश्नपत्र ४ : विशेषस्तर - वैकल्पिक : अ) हिंदी आलोचना आ) भारतीय साहित्य इ)अनुवाद विज्ञान ई)मीडिया लेखन	**16.**	प्रश्नपत्र १६ : HI - 24160 - विशेषस्तर - वैकल्पिक : HI - 24160 - ग) जनसंचार HI -24160 -घ) अनुवाद तथा भाषाविज्ञान